विज्ञान के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन कार्यक्रम

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल) में 28-29, मार्च, 2005 को स्कूलों एवं कनिष्ठ महाविद्यालयों के विज्ञान के अध्यापकों हेतु रसायन विज्ञान एवं पर्यावरणात्मक रसायन विज्ञान में लघुस्तरीय परीक्षण/प्रयोग प्रत्यक्ष रूप से करने एवं प्रदर्शित करने हेतु दो दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया था । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुणे जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लगभग 35 विज्ञान अध्यापकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया । सीएसआईआर का मानव संसाधन विकास ग्रूप **सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा प्रशिक्षण, प्रोत्साहन तथा स्कूलों एवं महाविद्यालयों का अभिग्रहण** नामक योजना कार्यान्वित कर रहा है । इस योजना के एक भाग के रूप में विज्ञान अध्यापकों में विज्ञान के प्रति अधिक रुचि, लगन एवं जागरूकता उत्पन्न करने तथा विज्ञान-शिक्षा को उत्कृष्ट बनाने हेतु उक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

इस कार्यशाला का उद्देश्य था - विज्ञान के अध्यापकों को लघुस्तरीय तकनीकों के माध्यम से विज्ञान के प्रयोगों को प्रदर्शित करना, सरल पद्धतियों एवं तकनीकों द्वारा वैज्ञानिक परीक्षणों एवं प्रयोगों के सम्बन्ध में उनके ज्ञान में अभिवृद्धि करना, उन्हें रसायन तथा संबंधित विज्ञान के नए एवं उभरते हुए क्षेत्रों की जानकारी देना और वैज्ञानिक समुदाय के साथ ज्ञान एवं संकल्पनाओं के आदान प्रदान एवं विचार-विमर्श के अवसर प्रदान करना ताकि उनका विज्ञान से सम्बन्धित ज्ञान और कौशल अद्यतन बना रहे ।

प्रो. एस.पी.कामत, रसायन विज्ञान विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, पणजी तथा उनके सहयोगियों ने विशेष रूप से बनाए गए छोटे-छोटे प्रयोगशाला उपकरणों का प्रयोग करते हुए तकनीकी प्रशिक्षण का संचालन किया । डॉ. के.एन.गणेश, प्रमुख, कार्बनिक रसायन (संश्लेषण) प्रभाग, एनसीएल ने **रसायन विज्ञान की शिक्षा में नई प्रवृत्तियाँ : शिक्षा देने में मल्टीमीडिया एवं इंटरनेट का साधन के रूप में प्रयोग** नामक विषय पर मुख्य अभिभाषण दिया । डॉ. बी.डी. कुलकर्णी, कार्यवाहक निदेशक, एनसीएल ने अपने उद्‌घाटन भाषण में आधुनिक पद्धतियों के प्रयोग से विज्ञान की शिक्षा को और अधिक आसान बनाने हेतु विज्ञान के अध्यापन को अधिक प्रगत एवं सरल तथा रचनात्मक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया ।

यह प्रशिक्षण विज्ञान के अध्ययन एवं अध्यापन को सहज एवं सरल बनाने हेतु अभिनव साधन उपलब्ध कराने और सहभागी अध्यापकों में विज्ञान के अध्यापन-कौशल को विकसित करने में सहायक सिद्ध हुआ । श्री एस.बी. कत्ते, व्यवसाय विकास प्रभाग, एनसीएल ने कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में कार्य किया ।